



क्षेत्रीय त्वरति परविहन प्रणाली (आरआरटीएस)

हाल ही में क्षेत्रीय त्वरति परविहन प्रणाली (Regional Rapid Transit System- RRTS) के अधिकारियों ने अनुमान लगाया कि आरआरटीएस (RRTS) लगभग 1.5 लाख नजी वाहनों को सड़क से हटाकर कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करेगी।

- यह कॉरिडोर दिल्ली के सराय काले खां से शुरू होकर गाजियाबाद से होते हुए मेरठ (उत्तर प्रदेश) के मोदीपुरम पहुंचेगा।
- राष्ट्रीय राजधानी में अपनी तरह का पहला आरआरटीएस है जिसकी ट्रैक पर ट्रेन की औसत रफ्तार 100 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी और यात्री 50-60 मिनट में मेरठ पहुंच सकेंगे।

प्रमुख बढि

■ भूमिका:

- योजना आयोग द्वारा दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) के लिये एक मल्टी मोडल ट्रांजिट सिस्टम विकसित करने हेतु शहरी विकास मंत्रालय (Ministry of Urban Development) के सचिव की अध्यक्षता में वर्ष 2005 में एक टास्क फोर्स का गठन किया गया था।
- इसे क्षेत्रीय केंद्रों को जोड़ने वाली 'क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली' (RRTS) पर विशेष जोर देने के साथ एनसीआर 2032 के लिये एकीकृत परविहन योजना में शामिल किया गया था।
- टास्क फोर्स ने 8 कॉरिडोर की पहचान की और कार्यान्वयन हेतु तीन कॉरिडोर अर्थात् दिल्ली-मेरठ, दिल्ली-पानीपत और दिल्ली-अलवर को प्राथमिकता दी।

■ RRTS के बारे में:

- 'क्षेत्रीय तीव्र पारगमन प्रणाली' NCR में क्षेत्रीय नोड्स को जोड़ने वाली एक नई, उच्च गति, उच्च क्षमता, आरामदायक कम्प्यूटर सेवा है।
- RRTS परंपरागत रेलवे से भी अलग है क्योंकि यह उसकी तुलना में अधिक विश्वसनीय है तथा उच्च गति के साथ अधिक चक्र पूरे करती है।
- RRTS मेट्रो से अलग है क्योंकि इसमें मेट्रो की तुलना में कम स्टॉप और अधिक गति होती है तथा अपेक्षाकृत लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा किया जाता है।

■ इच्छति लाभ:

- पर्यावरण के अनुकूल: कॉरिडोर से कुल वार्षिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से 2.5 लाख टन CO₂ के कम उत्सर्जन होने का अनुमान है जिससे शहर स्वच्छ और रहने के लिये एक बेहतर जगह बन जाएगा।
- आर्थिक विकास: कॉरिडोर के साथ सार्वजनिक परविहन के उपयोग की हसिसेदारी को 37% से बढ़ाकर 63% करने का अनुमान है।
 - हाई-स्पीड कनेक्टिविटी के परिणामस्वरूप पूरे क्षेत्र का संतुलित आर्थिक विकास होगा, जिससे एक ही स्थान पर होने वाली सभी आर्थिक गतिविधियों के बजाय समाज के सभी वर्गों और विकास के कई बढिओं पर आर्थिक लाभ मल्लिगा।
- सतत शहरीकरण: यह परियोजना भारत के अन्य शहरी क्षेत्रों में उच्च क्षमता वाले रैपिड शहरी ट्रांजिट कॉरिडोर विकसित करने हेतु एक मॉडल के रूप में काम करेगी।
 - यह NCR में यातायात की भीड़ और परविहन क्षेत्र से कुल उत्सर्जन को कम करने में मदद करेगी।

— 3 Times faster than Metro

RRTS	Design Speed 180 Km/hr	Ops Speed 160 Km/hr	Average Speed 100 Km/hr 150 Km/hr for Non Stop	Time to Travel 100 Km – 1 Hour
------	---------------------------	------------------------	---	-----------------------------------

Metro	Speed 90 Km/hr	Ops Speed 80 Km/hr	Average Speed 32 Km/hr	Time to Travel 100 Km – 3 hours
-------	-------------------	-----------------------	---------------------------	------------------------------------

//

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/regional-rapid-transit-system-1>

